भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2133
07/08/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंपीय निगरानी और सूक्ष्म-क्षेत्र निर्धारण

2133 # श्री आदित्य प्रसाद:
श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020 के बाद से अब तक राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क में कितनी वृद्धि हुई है;
(ख) वर्ष 2020 से मंत्रालय द्वारा सूचित किए गए भूकंपों की कुल संख्या कितनी है;
(ग) क्या मंत्रालय ने विभिन्न शहरों के भूकंपीय सूक्ष्म क्षेत्र का निर्धारण करने की प्रकिया आरंभ की है; और
(घ) यदि हाँ, तो वर्ष 2020 से अब तक देश में विशेष रूप से झारखंड राज्य में कितने शहरों का सूक्ष्म - क्षेत्र निर्धारण किया गया है, तत्संबंधी वर्ष-वार और शहर-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क की भूकंपीय वेधशालाओं की संख्या सन 2020 में लगभग 150 स्टेशनों की तुलना में आज बढ़कर 168 क्रियाशील वेधशालाएं हो गई हैं, जिनमें वीसैट के माध्यम से रियल टाइम डेटा रिपोर्टिंग की जाती है।

(ख) 01 जनवरी 2020 से 30 जून 2025 के दौरान 0-40°N और 60 -100°E के ग्रिड में कुल 80029 भूकंप दर्ज किए गए, जिनमें से 3032 पिछले पांच वर्षों के दौरान बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर सहित देश के अंदर दर्ज किए गए।

(ग) जी हाँ।

(घ) भूकंपीय सूक्ष्म क्षेत्र का निर्धारण डेटा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) के माध्यम से तैयार किया जाता है और यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा तैयार दिशानिर्देशों पर आधारित होता है। 2020 से चेन्नई, कोयंबटूर, भुवनेश्वर और मैंगलोर शहरों को भूकंपीय सूक्ष्म क्षेत्र के निर्धारण के लिए कवर किया गया है और संबंधित रिपोर्ट हाल ही में जुलाई 2025 में जारी की गई हैं। इसके अतिरिक्त, पटना, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, मेरठ, आगरा, धनबाद, अमृतसर जैसे शहर में ये कार्य अंतिम चरण में हैं, इसमे से धनबाद झारखंड में आता है।

******